वार्षिक प्रतिवेदन 2024–2025

गोडड़ा ग्रामीण पोल्ट्री स्वावलंबी सहकारी समिति लि0

निबंधन संख्या : जे.के.डी. 03/03/01 ओ.टी.एच. 001/2010 दिनांक : 14/08/2010

मैं माघुरी देवी, अध्यक्ष, गोडड़ा ग्रामीण पोल्ट्री स्वावलंबी सहकारी समिति लि0, गोड्डा आपलोगों को वित्तीय वर्ष 2024–2025 के लिए आयोजित वार्षिक आम सभा में हार्दिक स्वागत करती हुँ। हमारे देश में 70 प्रतिशत लोग कृषि पर निर्भर हैं । भूमिहीन, जिनका जमीन अपर्याप्त है, जिसका जमीन खेती योग्य नही है, उनलोगों के लिए जीवीकोपार्जन करने का मुर्गी पालन अति उत्तम साधन है। मुर्गी पालन गरीबों का सामाजिक परम्परा है, कुछ दशक पहले लोग घर में एक दो मुर्गी पालन करते थे, लेकिन वर्तमान में मुर्गी पालन को व्यावसायिक रूप दिया गया है। वैज्ञानिक तकनीकी, आसान शिक्षा, बढ़ती महँगाई एवं कम पूँजी लगाकर बहुत ही कम समय में मौद्रिक आय, सामाजिक बंधन से मुक्त होकर कोई भी जाति धर्म के लोग मुर्गी पालन कर सकते है। इन सब कारणों से मुर्गी पालन को आधुनिकीकरण एवं व्यावसायिकीकरण किया गया ।

मुर्गी पालन आजीविका के लिए सिर्फ एक लघु/छोटी साधन नही है, परन्तु ग्रामीण गरीब महिलाओं को सशक्तिकरण में बड़ा भूमिका निभाता है । मुर्गी पालन के माध्यम से गांव के महिलाओं को गरीबी से मुक्त कराने के लिए, **प्रदान संस्था** एवं **झारखण्ड महिला स्वावलंबी पोल्ट्री सहकारी संघ** की सहायता से, वर्ष 2010 में गोड्डा जिला के पथरगामा प्रंखड के गरीब महिलाओं ने मुर्गी पालन कार्य शुरू किया। मुर्गी पालन से जुड़ी महिलाओं ने एक समिति बनाई जिसका नाम **गोडड़ा ग्रामीण पोल्ट्री स्वावलंबी सहकारी समिति लि0** रखा और झारखंड सरकार की सहकारिता समिति अधिनियम 1996 के अन्तर्गत इसे निबंधित करा लिया। शुरूआत में जोकैलाघाट एवं जामजोरी गाँव की 15 महिलाओं ने मुर्गी पालन का कार्य प्रारंभ किया। अभी 16 गांव के 21 टोला की 208 महिलाओं के द्वारा उत्साह के साथ मुर्गी पालन किया जा रहा है। वर्तमान समय मे इस व्यवसाय से 30,000 से 75,000 रूपया तक इनकी सलाना आमदनी हो रही है। जो इन सदस्यों और इनके परिवारजनों को बेहतर जीविका प्रदान करती है।

समिति का उद्देश्य :–

ग्रामीण गरीब महिलाओं को मुर्गी पालन के माध्यम से स्वावलंबी, आत्मनिर्भर एवं उनकी आर्थिक आमदनी को बढ़ाना समिति का मुख्य उद्देश्य है। अतः इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए **गोडड्रा ग्रामीण पोल्ट्री स्वावलंबी सहकारी समिति** एवं **झारखण्ड महिला स्वावलंबी पोल्ट्री सहकारी संघ** द्वारा सदस्य को निम्नलिखित मदद प्रदान की जाती है :–

1) मुर्गीपालन हेतु मुर्गी घर (शेड) का निर्माण करवाना।

2) मुर्गीपालन के लिए जरूरी सामग्री जैसे चूजा, दाना, दवा इत्यादि सदस्यों के गाँव घर तक सही समय पर उपलब्ध कराना।

3) मुर्गीपालन के लिए आवश्यक प्रशिक्षण, चिकित्सा संबंधी सही जानकारी सदस्यों को उपलब्ध कराना।

4) कार्य संपादन के लिए उपकरण, कार्यशील पुंजी का व्यवस्था कराना।

5) मुर्गी तैयार होने पर समिति द्वारा विपणन का व्यवस्था कराना।

2024–2025 का उपलब्धिया :–

- कुल सदस्या – 340 में वित्तीय वर्ष 2024–25 में 208 सक्रिय सदस्य है।
- कुल हिस्सा पुंजी – 18 लाख 58 हजार 800 रूपया है ।
- कुल बिक्री किये गये मुर्गी की संख्या – 4 लाख 58 हजार 380 पीस ।
- कुल बिक्री किये गये मुर्गी की वजन – 687 मैटिक टन।
- समिति का कुल मुर्गी विक्रय (राशि में) – 7 करोड़ 36 लाख 09 हजार 575 रूपया।
- उत्पादनकर्त्ता का भुगतान – 52 लाख 03 हजार 796 रूपया।
- सुपरवाइजर का भुगतान – 5 लाख 86 हजार 220 रूपया।
- अभी शत प्रतिशत सदस्यो का बैंक के द्वारा भुगतान किया जा रहा है ।
- समिति की प्रत्येक दीदी एवं दादा का 50,000 रूपया का जीवन बीमा कराया गया है ।

योजना (2025–2026) :

1) 208 दिदियो से बढ़ाकर 250 दिदियो के साथ मुर्गी पालन करना।

2) वार्षिक चुजा प्लेसमेंट 4 लाख 85 हजार 443 से बढ़ाकर 5 लाख 60 हजार करना एवं मासिक 46 हजार 666 चुजा प्लेसमेंट करना।

3) कुल वार्षिक मुर्गी बिक्री (राशि में) 7 करोड़ 36 लाख से बढ़ाकर 8 करोड़ 59 लाख रूपया करना ।

4) कुल वार्षिक मुर्गी बिक्री (वजन) 687 मैटिक टन से बढाकर 821 मैटिक टन करना।

5) सहकारी समिति का शुद्व लाभ लगभग 22 लाख 97 हजार रूपया करना।

6) सभी सदस्यो का ई0 आई0 400 से उपर ले जाना ताकि सदस्यो का वार्षिक आमदनी 50,000 हजार रूपये से अधिक हो ।

8) सदस्यों का वार्षिक औसत बैच को 6 से 7 बैच प्रतिवर्ष करना ।

समिति की समस्याएं :–

- वित्तीय वर्ष 2019–20 में कोरोना के कारण समिति को लगभग 58 लाख का नुकसान सहना पड़ा। समिति में कार्यशील पूँजी का अभाव हो गया, लेकिन **झारखण्ड महिला स्वाबलंबी पोल्ट्री सहकारी संघ** के द्वारा कच्चा सामग्री जैसे–चुजा, दाना एवं दवाई इत्यादि सामग्री समिति के लिए व्यवस्था कर दी जा रही है जिससे समिति को कार्यशील पूँजी का अभाव नहीं होने दिया जा रहा है और हमारे समिति के 208 सदस्यों का आमदनी हो पा रहा है। इसलिए हम सभी सदस्यों को कार्यशील पूँजी व्यवस्था कराना जरूरी है।
- लगभग 15 वर्ष पहले मुर्गी शेड बनने के कारण कई मुर्गी शेड क्षतिग्रस्त हो गया है, क्षतिग्रस्त मुर्गी शेड को मरम्मति कराना अनिवार्य है।
- गर्मी के समय में मुर्गी उत्पादन में पानी की समस्या से गुजरना पड़ता है, इसलिए प्रत्येक गाँव में मुर्गी शेड के आस–पास चापाकल रहना चाहिए।
- समिति में 300 नये मुर्गी घर बनना चाहिए, जिससे सदस्यों की संख्या में वृद्धि हो सके, जिससे गरीब ग्रामीण महिलाओं का रोजगार सृजन हो पाए।

- वित्तीय वर्ष 2019–20 में जहाँ समिति में 282 सदस्यों के साथ मुर्गीपालन काम कर रहे थे। इस वित्तीय वर्ष 2024–25 में 208 सदस्या के साथ ही मुर्गीपालन कर पाए और यह घटती हुई मुर्गीपालक सदस्या एक चिंता का विषय है। जिसपर हम सभी को मिलकर काम करना होगा।

आइए हम सभी सदस्या मिलकर यह संकल्प लेते है कि समिति को आगे बढ़ाने के लिए हम सभी सदस्या अपना कर्तव्य ईमानदारी एंव निष्ठापुर्वक निभाएंगे और समिति के लिए अधिक परिश्रम करेगें ताकि मुर्गी पालन से हमारे जीवन मे अधिक से अधिक कमाई करने का अवसर मिले।

धन्यवाद

माघुरी देवी

अध्यक्ष,

गोडड्रा ग्रामीण पोल्ट्री स्वावलंबी
सहकारी समिति लि0 गोडड्रा